भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3448

जिसका उत्तर सोमवार, 04 अगस्त, 2014 को दिया जाना है

उद्योगों का विकास

3448. श्री बी. श्रीरामुलु:

श्री डी. के. सुरेश:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान देश विभिन्न उद्योगों अर्थात् भारी इंजीनियरिंग उपकरण तथा मशीन टूल्स, ऑटोमोटिव, भारी इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग आदि में वृद्धि का क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने उक्त अवधि के दौरान इन क्षेत्रों में विकास लक्ष्य को प्राप्त किया है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके कारण क्या हैं; और

(घ) सरकार द्वारा इन क्षेत्रों को अपने-अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री पोन्. राधाकृष्णन)

(क): पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान उद्योग के विभिन्न सेक्टरों के उत्पादन के आंकड़े नीचे दर्शाए गए हैं:

(₹ करोड़)

उद्योग के सेक्टर	**2011-2012**	**2012-2013**	**2013-2014**	**वृद्धि (%)**
मशीन टूल	4299	3884	3481	(-)10
प्लास्टिक प्रसंस्करण मशीनरी	2060	1625	2070	27
वस्त्र मशीनरी	5280	5790	6250	8
हेवी इलेक्ट्रिकल और विद्युत संयंत्र उपकरण	135927	134375	131825	(-)2
वाहन उद्योग का कारोबार	281591	295616	278565	(-)5.77
ऑटो कलपुर्जा उद्योग का कारोबार	204670	216094	210600	(-)2.54

(ख): इन सेक्टरों के लिए सरकार द्वारा कोई विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए हैं। तथापि, 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-2017) के लिए केपिटल गुड्स और इंजीनियरी सेक्टर पर कार्यदल की रिपोर्ट में वर्ष 2013-14 के लिए प्रस्तावित उत्पादन आंकड़ों के साथ-साथ वास्तविक आंकड़े नीचे दिए गए हैं:

(₹ करोड़)

केपिटल गुड्स सेक्टर	प्रस्तावित उत्पादन	वास्तविक उत्पादन
मशीन टूल	7078	3481
प्लास्टिक प्रसंस्करण मशीनरी	6850	2070
वस्त्र मशीनरी	9400	6250
हेवी इलेक्ट्रिकल और विद्युत संयंत्र उपकरण	167521	131825

इसी प्रकार, 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-2017) के लिए ऑटोमोबाइल सेक्टर पर कार्यदल की रिपोर्ट में वर्ष 2013-14 के लिए प्रस्तावित कारोबार आंकड़ों के साथ-साथ वास्तविक आंकड़े नीचे दिए गए हैं:

(₹ करोड़)

आटोमोबाइल सेक्टर	प्रस्तावित उत्पादन	वास्तविक उत्पादन
वाहन उद्योग का कारोबार	357990	278565
ऑटो कलपुर्जा	349800	210600

(ग): सामान्य आर्थिक मंदी के फलस्वरूप निवेश कम होने के कारण केपिटल गुड्स सेक्टर के लिए अनुमानित आंकड़े प्राप्त नहीं किए जा सके थे। आर्थिक वृद्धि की धीमी दर, ग्राहकों की प्रतिकूल भावनाओं, उच्च मुद्रास्फीति के चलते क्रय शक्ति के कम होने, वाहन वित्तपोषण की ऊंची दर आदि के कारण ऑटोमोबाइल सेक्टर में वृद्धि की स्थिति निराशाजनक रही है।

(घ): केपिटल गुड्स पर उत्पाद शुल्क की 12% से 10% तक कटौती को 31.12.2014 तक बढ़ा दिया गया है जिससे औद्योगिक वृद्धि की गति बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए, सरकार ने वाहनों पर दिसम्बर, 2014 तक उत्पाद शुल्क घटाया है ताकि उद्योग को मंदी से उबरने में सहायता मिल सके। उत्पाद शुल्क में कटौती नीचे दिए गए अनुसार है:

छोटी कारों, दुपहिया और तिपहिया तथा वाणिज्यिक वाहनों के लिए 12% से 8%।

एसयूवी के लिए 30% से 24%।

4000 एमएम से अधिक लंबाई किन्तु 1500 सीसी से कम क्षमता के इंजन वाली कारों के लिए 24% से 20%।

4000 एमएम से अधिक लंबाई किन्तु 1500 सीसी से अधिक क्षमता के इंजन वाली कारों के लिए 27% से 24%।

*****